भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 17 सितम्बर, 2025
जारी करने का समय: 1315 घंटे

विषय: आज, 17 सितंबर, 2025 को पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तथा अरुणाचल प्रदेश में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 17 सितम्बर, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- बिहार में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- उत्तराखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, पश्चिम मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी:

- दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखा अब 31°N/74°E, भटिंडा, फतेहाबाद, पिलानी, अजमेर, डीसा, भुज और 23°N/68°E से होकर गुजरती है। **(अनुलग्नक II)**

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक III और IV देखें):

- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी उत्तर प्रदेश और उससे सटे बिहार के ऊपर और एक अन्य निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में मध्य असम के ऊपर बना हुआ है।
- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में मराठवाड़ा के ऊपर बना हुआ है।
- एक उत्तर-दक्षिण द्रोणिका निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में दक्षिण आंतरिक कर्नाटक से कोमोरिन क्षेत्र तक बनी हुई है।
- एक द्रोणिका निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में मध्य प्रदेश के मध्य भागों से पश्चिम-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्व और मध्य भारत:

- अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान की संभावना, 17 सितंबर को झारखंड, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 17 से 19 सितंबर तक; बिहार में 17 से 20 सितंबर तक; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 18 से 21 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना; बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 17 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 5-6 दिनों तक पूर्वी भारत में तूफान और तेज हवाओं (30-40 किमी/घंटा की गति) की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश/तूफान की संभावना, अरुणाचल प्रदेश में 17 से 19 सितंबर तक; असम और मेघालय में 17 से 23 सितंबर तक और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 19 से 23 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना; अरुणाचल प्रदेश में 17 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- कुछ/अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान की संभावना, उत्तराखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 17 और 18 सितंबर को और उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश में 17 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान की संभावना, तमिलनाडु में 17 से 19 सितंबर तक; केरल और माहे, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 17 और 18 सितंबर को; तेलंगाना, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 17 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक तटीय तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में तेज सतही हवाओं (30-40 किमी/घंटा की गति) की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- अगले 4 दिनों तक क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान की संभावना, मराठवाड़ा में 17 सितंबर को; कोंकण और गोवा और मध्य महाराष्ट्र में 17 और 18 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 17 से 22 सितंबर तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

अरब सागर:

- पश्चिम-मध्य, दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों, सोमालिया तट के साथ और उसके आसपास 17 से 22 सितंबर तक, ओमान और आसपास के यमन तटों के साथ और उसके आसपास 17 सितंबर को; उत्तरी ओमान और आसपास के समुद्री क्षेत्रों के साथ और उसके आसपास 18 से 21 सितंबर तक; दक्षिण कोंकण, गोवा तटों, आसपास के समुद्री क्षेत्रों के साथ और उसके आसपास 17 से 19 सितंबर तक न जाने की सलाह दी जाती है।

बंगाल की खाड़ी:

- दक्षिण श्रीलंका तट और आसपास के दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों के साथ और उसके आसपास 17 और 19 सितंबर को और दक्षिण श्रीलंका तट के साथ और उसके आसपास 17 से 20 सितंबर तक; दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों, श्रीलंका तट के साथ और उसके आसपास 20 से 22 सितंबर तक; मन्नार की खाड़ी और आसपास के कोमोरिन क्षेत्र में 17 से 21 सितंबर तक; अंडमान सागर में 17 से 22 सितंबर तक न जाने की सलाह दी जाती है।

ii. 17 सितम्बर से 20 सितंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **बिहार**: खगड़िया (जिला खगड़िया) 22, मानसी (जिला खगड़िया) 19, दुमरांव (जिला बक्सर) 14, त्रिवेणी/बाल्मीकीनगर (जिला पश्चिम चंपारण) 12, बलतारा (जिला खगड़िया) 12, अलौली (जिला खगड़िया) 11, बरहर कोठी (जिला पूर्णिया) 9, रफीगंज (जिला औरंगाबाद) 9, चौथम (जिला खगड़िया) 9, झाझा (जिला जमुई) 9, गोगरी (जिला खगड़िया) 9, सौलीघाट (जिला मधुबनी) 8, सोनो (जिला जमुई) 8, टेकारी (जिला गया) 8, बख्तियारपुर (जिला पटना) 8, कुशेश्वरस्थान (जिला दरभंगा) 8, गुरारू (जिला गया) 7, सदर मुंगेर (जिला मुंगेर) 7, अथमलगोला (जिला पटना) 7, बगहा (जिला पश्चिम चंपारण) 7, धमदहा (जिला पूर्णिया) 7, मुंगेर (जिला मुंगेर) 7;
- **तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल**: श्रीपेरुंबुदूर (जिला कांचीपुरम) 18; एननोर AWS (जिला तिरुवल्लूर) 9; डीजीपी ऑफिस (जिला चेन्नई), तिरुविदैमारुथुर (जिला तंजावुर) 8 प्रत्येक; जया इंजीनियरिंग कॉलेज AWS (जिला तिरुवल्लूर), गंगावल्ली (जिला सलेम), मिनल (जिला रानीपेट) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश**: खकनार (जिला बुरहानपुर) 16, बुरहानपुर (जिला बुरहानपुर) 12, नेपानगर (जिला बुरहानपुर) 10, रोन (जिला भिंड) 9, मिहोना (जिला भिंड) 9, भिमपुर (जिला बेतूल) 7, खटेगांव (जिला देवास) 7, खंडवा (जिला खंडवा) 7;
- **उत्तराखंड**: रोशनाबाद (जिला हरिद्वार) 15, हरिद्वार (जिला हरिद्वार) 13;
- **अरुणाचल प्रदेश**: पासीघाट (जिला पूर्वी सियांग) 14, मियाओ (जिला चांगलांग) 9;
- **असम और मेघालय**: विलियमनगर (जिला पूर्वी गारो हिल्स) 12, एन.लखीमपुर/लिलाबारी (जिला लखीमपुर) 11, चेरापूंजी (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 9, लखीमपुर ARG (जिला लखीमपुर) 8, विलियमनगर AWS (जिला पूर्वी गारो हिल्स) 7, मावसिनराम (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 7, शिलांग AWS (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 7, मावक्यरमट (जिला दक्षिण पश्चिम खासी हिल्स) 7;
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: घुघुमारी (जिला कूच बिहार) 12, दमदिम टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 9, आर्यमन टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 7, बरदिघी टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 7;
- **तेलंगाना**: शंकरपट्टनम (जिला करीमनगर) 11;
- **रायलसीमा**: पकाला (जिला तिरुपति) 10, चपड (जिला वाईएसआर जिला) 8;
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक**: झल्की क्रॉस (जिला विजयपुरा) 10, सिंदगी (जिला विजयपुरा) 8, मंथाला (जिला बीदर) 7;
- **पश्चिम उत्तर प्रदेश**: नगीना (जिला बिजनौर) 9, नजीबाबाद (टी) (जिला बिजनौर) 9, अलीगढ़ (जिला अलीगढ़) 8, संभल (जिला संभल) 7;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश**: पांढ़ुर्णा (जिला चिंदवाड़ा) 9, तमिया (जिला चिंदवाड़ा) 7;
- **गांगेय पश्चिम बंगाल**: मनकार (जिला पूर्व बर्द्धमान) 8;
- **छत्तीसगढ़**: रामानुजगंज (जिला बलरामपुर) 8;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: बलिया वेधशाला (जिला बलिया) 8;
- **विदर्भ**: खरंघा (जिला वर्धा) 8, जलगांव जामोद (जिला बुलढाना) 7;
- **झारखंड**: उंटारी रोड (जिला पलामू) 8, सिसाई (जिला गुमला) 7;
- **तटीय आंध्र प्रदेश**: सीतारामपुरम (जिला एसपीएसआर नेल्लोर) 7, पोडिली (जिला प्रकाशम) 7, भीमवरम (जिला पश्चिम गोदावरी) 7;
- **कोंकण**: कुदाल (जिला सिंधुदुर्ग) 7, कणकवली (जिला सिंधुदुर्ग) 7;
- **मध्य महाराष्ट्र**: मुक्तैनगर/एडलाबाद (जिला जलगांव) 7, जामनेर (जिला जलगांव) 7;
- **मराठवाड़ा**: भुम (जिला धाराशिव) 7, वैजापुर (जिला छत्रपति संभाजीनगर) 7, औसा (जिला लातूर) 7;
- **ओडिशा**: भुबन (जिला ढेंकनाल) 7, टिकाबाली (जिला कंधमाल) 7, नावाना (जिला मयूरभंज) 7.

अनुलग्नक II

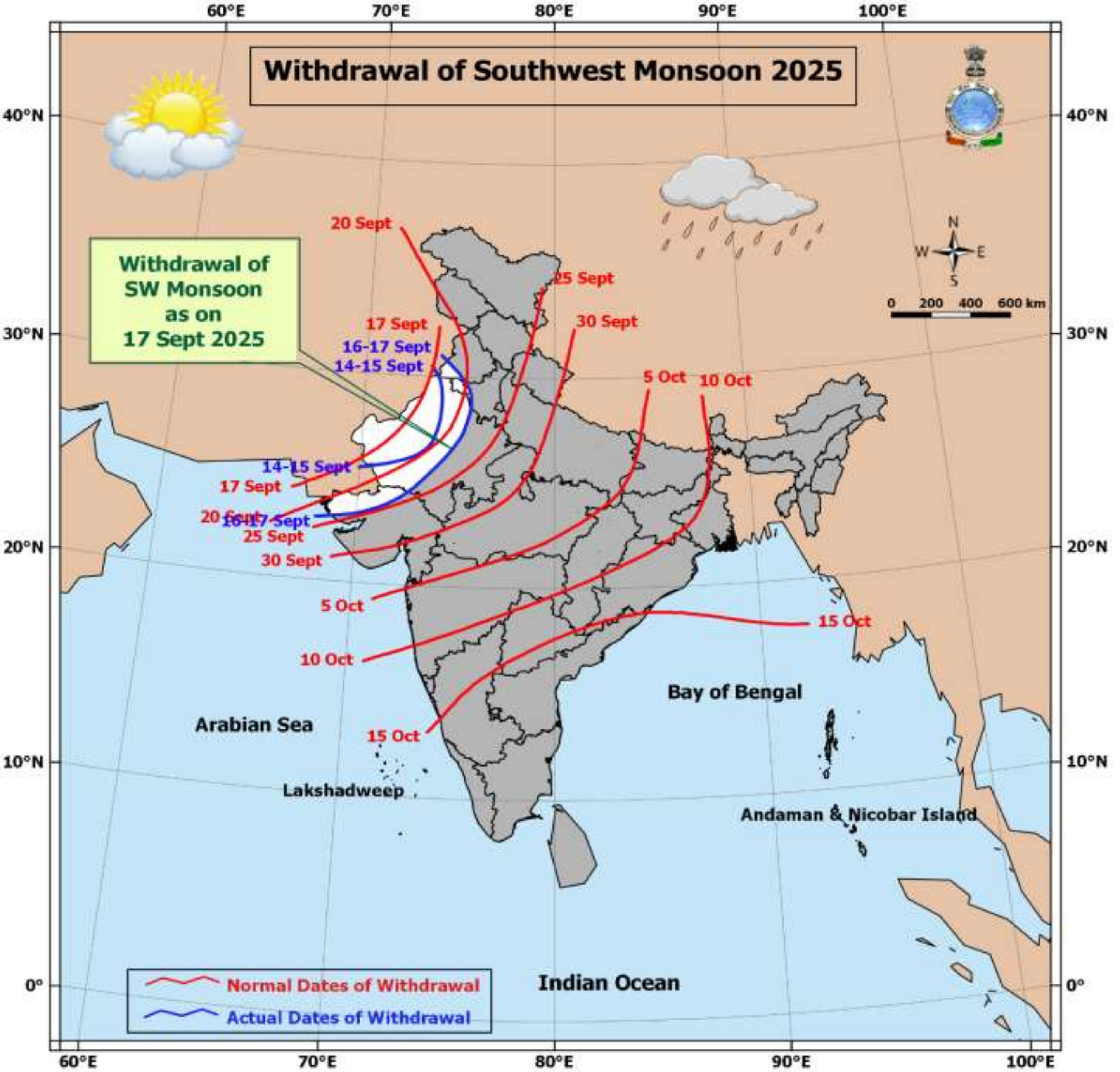

Withdrawal of Southwest Monsoon 2025
Withdrawal of SW Monsoon as on 17 Sept 2025
20 Sept
25 Sept
17 Sept
30 Sept
16-17 Sept
14-15 Sept
5 Oct
10 Oct
14-15 Sept
17 Sept
20 Sept
16-17 Sept
25 Sept
30 Sept
5 Oct
15 Oct
10 Oct
15 Oct
Bay of Bengal
Arabian Sea
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
Indian Ocean
Normal Dates of Withdrawal
Actual Dates of Withdrawal
0 200 400 600 km
N
S
E
W
60°E
70°E
80°E
90°E
100°E
40°N
30°N
20°N
10°N
0°

अनुलग्नक III

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	**Subdivision**	**17- Sep**	**18- Sep**	**19- Sep**	**20- Sep**	**21- Sep**	**22- Sep**	**23- Sep**
		Day 1	**Day 2**	**Day 3**	**Day 4**	**Day 5**	**Day 6**	**Day 7**
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
9	BIHAR	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	ISOL	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	ISOL
25	MARATHWADA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
26	VIDARBHA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	FWS	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक IV

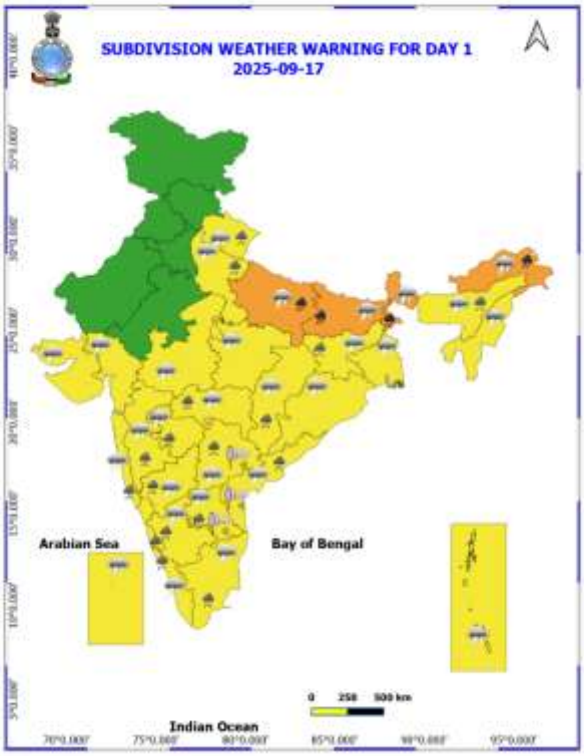
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-09-17
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

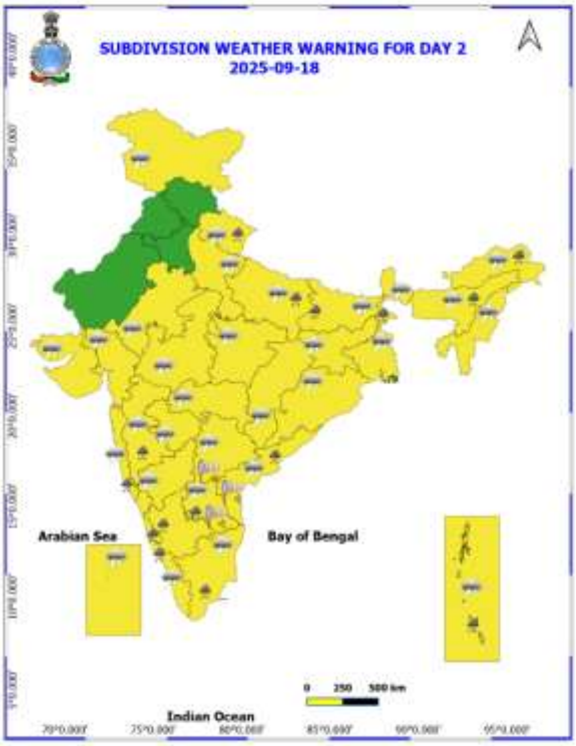
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-09-18
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

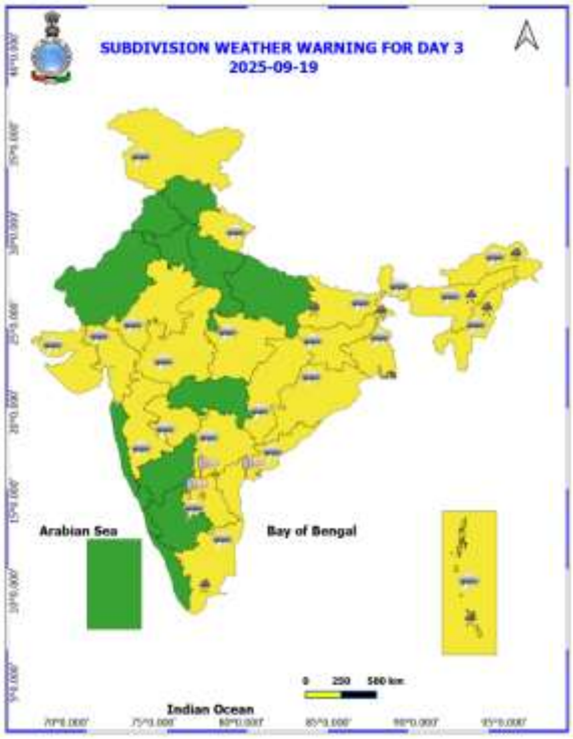
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-09-19
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

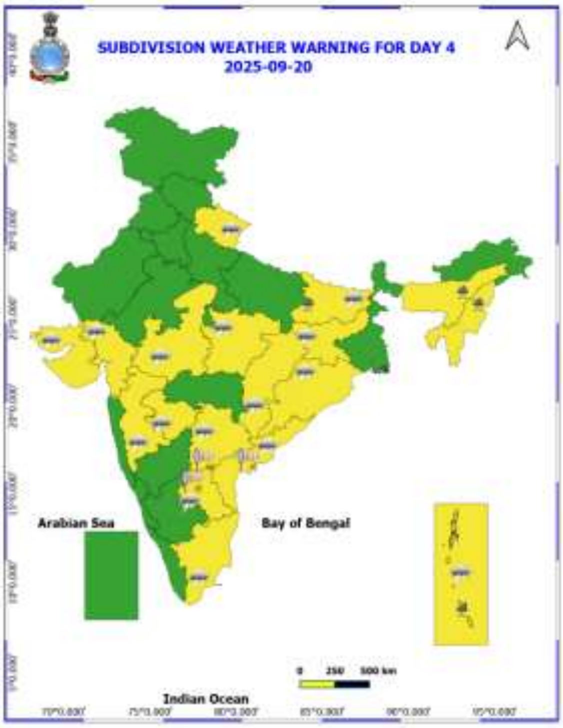

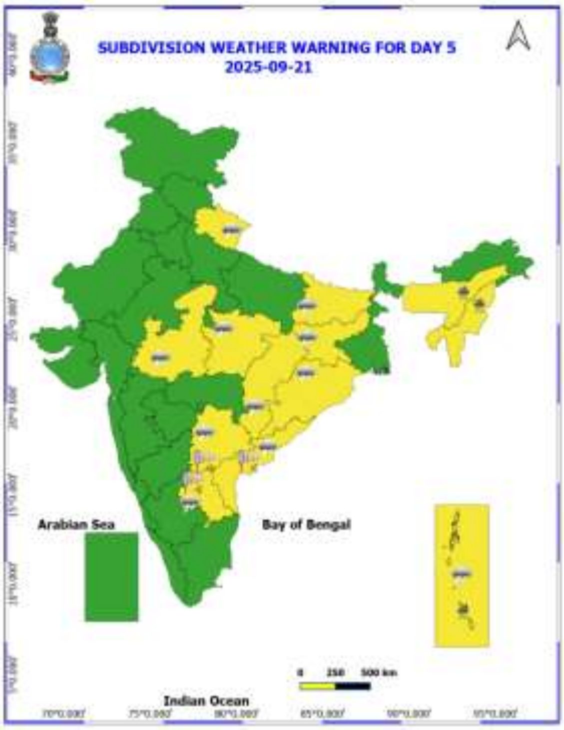

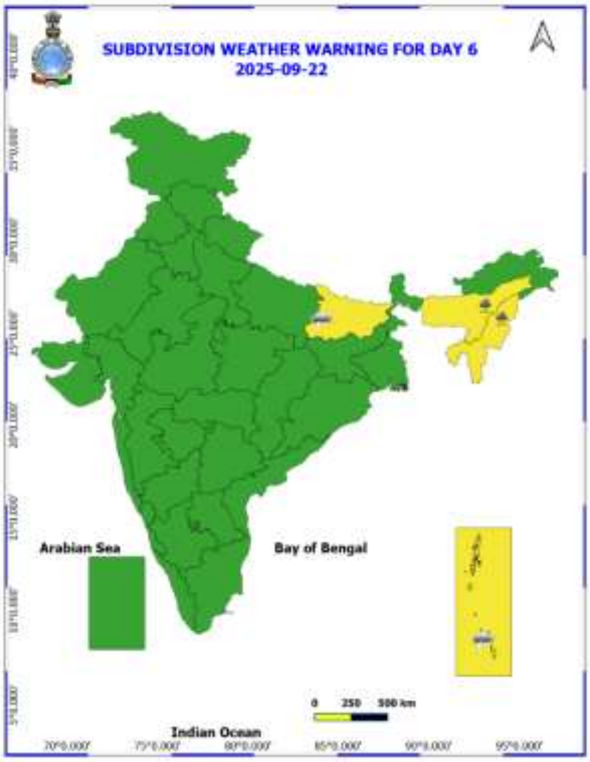

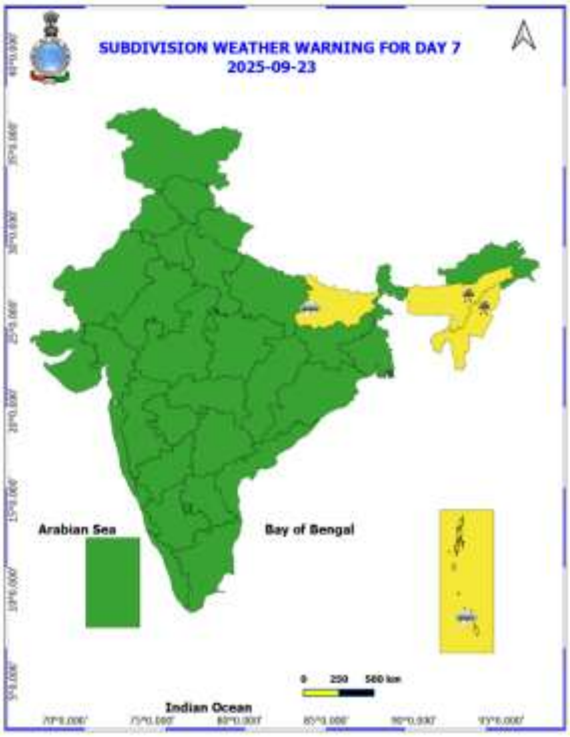

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक V

दिल्ली/एनसीआर में 17 से 20 सितंबर 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हुई है और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब थे। आंशिक रूप से बादल छाए रहने की स्थिति थी और दक्षिण-पश्चिम/उत्तर-पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ हवा चल रही थी। आज सुबह के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम रफ्तार के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहने की स्थिति थी।

मौसम पूर्वानुमान:

17.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ प्रमुख सतही हवा चलने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 25 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

18.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। सुबह के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से 08-12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ प्रमुख सतही हवा चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

19.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। सुबह के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ प्रमुख सतही हवा चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 25 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी।

20.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ प्रमुख सतही हवा चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 25 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी।

बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 17 सितंबर को बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तथा अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- महाराष्ट्र में, कोंकण में, धान, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से; मध्य महाराष्ट्र में धान, गन्ना, अरहर, सोयाबीन, मक्का एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से; मराठवाड़ा में गन्ना, ज्वार, सोयाबीन, हल्दी एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से तथा विदर्भ में अरहर, कपास, सोयाबीन, मक्का एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, तराई क्षेत्र में धान और सब्जियों के खेतों से और पहाड़ी क्षेत्र में मूंग, उड़द, रागी, डैली खोरसानी, सब्जियों और फलों के बागों से अतिरिक्त जल निकासी की व्यवस्था बनाएं रखें।
- बिहार में, उत्तर-पश्चिम जलोढ़ मैदानी क्षेत्र में चावल और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की उचित निकासी व्यवस्था बनाएं रखें।
- अरुणाचल प्रदेश में, खड़ी फ़सलों जैसे धान, सोयाबीन, रागी एवं सब्ज़ियों तथा फलों के बागानों में जलजमाव से बचाव हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें। धान, मक्का, मिर्च और केले की कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें।
- असम में, पहाड़ी क्षेत्र में धान, गन्ना, उड़द और तिल के खेतों से; बराक घाटी क्षेत्र में चावल और पहले से बोई गई उड़द की फसल से; तथा उत्तरी तटीय मैदानी क्षेत्र में, धान, तिल और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी सुनिश्चित करें। निचले ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र में, साली धान के खेतों तथा सब्जियों की नर्सरी क्यारियों में उचित जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करें। भारी वर्षा से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु नर्सरी क्यारियों को पतली पॉलीथिन से ढक दें। ऊपरी ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र में, परिपक्व सब्जियों और फलों की कटाई करें और उन्हें सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करें तथा खड़ी फसल के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- मेघालय में, धान, सब्जी की नर्सरी और अदरक से अतिरिक्त पानी निकाल दें। केला, पपीता, कद्दू आदि जैसी ऊँची और नाज़ुक फसलों को गिरने से बचाने हेतु सहारा प्रदान करें।
- उत्तराखंड में, उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में मूंग, उड़द, सोयाबीन, सनवा और रागी के खेतों से तथा भाबर और तराई क्षेत्र में, धान, अरहर, उड़द, मूंग, रागी, मक्का, सोयाबीन और पहले से बोई गई आलू और मूली की फसल में अतिरिक्त जल निकासी

सुनिश्चित करें। पहाड़ी क्षेत्र में, अरहर और सब्जी फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें तथा बाजरा, अदरक और वर्षा आधारित चावल की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

- तेलंगाना में, धान, मक्का, कपास, सोयाबीन, अरहर, हल्दी और सब्जियों के खेतों में अतिरिक्त वर्षा जल निकासी बनाएं रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	1. Andaman & Nicobar Islands
2. अरुणाचल प्रदेश	2. Arunachal Pradesh
3. असम और मेघालय	3. Assam & Meghalaya
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा	4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम	5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. गंगीय पश्चिम बंगाल	6. Gangetic West Bengal
7. ओडिशा	7. Odisha
8. झारखंड	8. Jharkhand
9. बिहार	9. Bihar
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश	10. East Uttar Pradesh
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश	11. West Uttar Pradesh
12. उत्तराखंड	12. Uttarakhand
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली	13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. पंजाब	14. Punjab
15. हिमाचल प्रदेश	15. Himachal Pradesh
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख	16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. पश्चिम राजस्थान	17. West Rajasthan
18. पूर्वी राजस्थान	18. East Rajasthan
19. पश्चिम मध्य प्रदेश	19. West Madhya Pradesh
20. पूर्वी मध्य प्रदेश	20. East Madhya Pradesh
21. गुजरात	21. Gujarat
22. सौराष्ट्र	22. Saurashtra
23. कोंकण और गोवा	23. Konkan & Goa
24. मध्य महाराष्ट्र	24. Madhya Maharashtra
25. मराठवाड़ा	25. Marathwada
26. विदर्भ	26. Vidarbha
27. छत्तीसगढ़	27. Chhattisgarh
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम	28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. तेलंगाना	29. Telangana
30. रायलसीमा	30. Rayalaseema
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल	31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. तटीय कर्नाटक	32. Coastal Karnataka
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक	33. North Interior Karnataka
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक	34. South Interior Karnataka
35. केरल और माहे	35. Kerala & Mahe
36. लक्षद्वीप	36. Lakshadweep

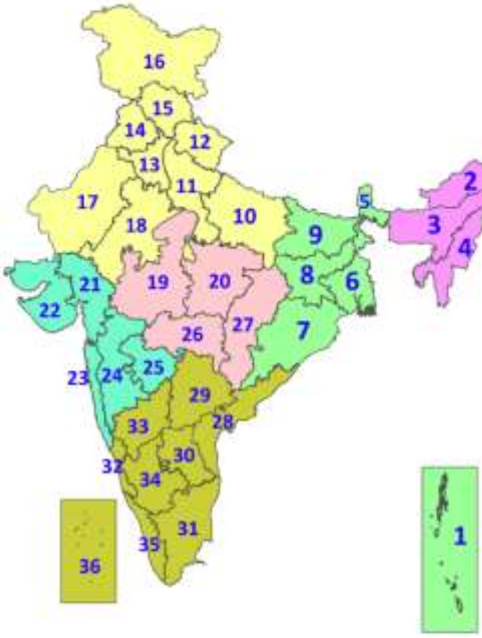

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)